सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

खबर आलोक

भाई आलोक तिवारी जी को

सांध्य दैनिक समाचार पत्र

नई दृष्टि बिंदु

प्रकाशन के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामना !

HERITAGE
INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL

ADMISSION
Open For 2026-2027

Nursery to IX & XI
(SCIENCE, COMMERCE & HUMANITIES)

Our Facilities
- Digital Classrooms
- Library
- Life Skill Clubs
- Security
- Laboratory
- International Collabration
- Sports Complex
- Transport Facility

ENROLL NOW

7566660470/75

www.heritageschools.org

Durg Bypass, Opposite D-Mart, Durg (C.G.)

किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ें : भूपेश बघेल

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के अंतर्गत हाल ही में नियुक्त किए गए सभी ब्लॉक अध्यक्षगणों ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भिलाई 3 निवास में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों ने पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपे गए नवीन दायित्व के लिए आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सौजन्य मुलाकात के दौरान सभी ब्लॉक अध्यक्षों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे, आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे तथा पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष के बल पर आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय, अनुशासन और जनसेवा की भावना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ने कहा।

श्री बघेल ने आगे कहा कि ब्लॉक अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनके नेतृत्व और सक्रियता से ही कांग्रेस पार्टी गाँव-गाँव और हर वर्ग तक पहुँचती है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के नेतृत्व में जिला दुर्ग (ग्रामीण) कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती और दिशा मिलेगी। साथ ही उन्होंने सभी से एकजुट होकर जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने एवं भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। मुलाकात के दौरान आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों, आंदोलनात्मक गतिविधियों एवं जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा भी की गई। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण जिला अंतर्गत सभी 9 ब्लॉकों के नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मोहन साहू, शिव कुमार वर्मा, मनहरण यादव, श्रीकांत वर्मा, उमेश साहू, संतोष बाफना, कमलेश साहू, देवेंद्र देशमुख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर के वार्षिकोत्सव में उमड़ा उत्साह, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मेधावियों को सराहा

बसना। बसना के स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में वार्षिक उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं जनप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल बतौर अतिथि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस दौरान सांसद रुपकुमारी चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि,आज के भौतिकवादी युग में भी सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के साथ संस्कार को भी जीवंत बनाए हुए। सरस्वती शिशु मंदिर संस्थान के सभी रचनात्मक गतिविधियों से देश प्रदेश में अपना अलग स्थान है। शिशु मंदिर ऐसे ही कार्य करती रही तो,निश्चित ही हम व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को जल्दी साकार कर पायेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि संस्कारों की वह पाठशाला है जहाँ बच्चों के भविष्य के साथ-साथ उनके चरित्र का निर्माण होता है। यहाँ से निकले विद्यार्थी देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। देशभक्ति गीतों, लोक नृत्यों और सामाजिक संदेश देने वाले नाटकों के माध्यम से बच्चों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बच्चों की प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी,प्रांतीय अध्यक्ष सरस्वती शिक्षा संस्थान राम भरोसा सोनी,नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मिलाप निराला,खंड संघ संचालक बसना सोनू श्रीवास्तव,संरक्षक सदस्य आनंद राम मन्दनानी,विभाग कार्यवाहक दयामणि सिदार,अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल,उपाध्यक्ष रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल,सचिव धनेश्वर साहू,सदस्य सुभाष शर्मा,सदस्य दयामणि सिदार,सदस्य पुष्पलता साव,सांवरमल अग्रवाल,सौम्य रंजन कानूनगो,सुभाष चंद्र प्रधान,ललिता रात्रे,संचालक रमेश कर,प्राचार्य धनुंजय साहू,जिला कार्यवाहक चंद्रशेखर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यालय समिति के पदाधिकारी, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

अलौकिक शक्ति केंद्र, ओम शांति भवन रानीपरतेवा में नव वर्ष को लेकर स्नेह सम्मेलन

गरियाबंद । अलौकिक शक्ति केंद्र,ओम शांति भवन रानीपरतेवा में नव वर्ष की लेकर स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति का इतिहास त्याग और समर्पण से भरा हुआ है।भगवान श्रीरामचंद्र जी पितृ आज्ञा का पालन करते हुए राजमहल का त्याग कर वनवासी हो गए और भगवान श्रीकृष्ण जी,कारागृह में जन्म लेकर भी द्वारकाधीश हो गए,यह है विधाता द्वारा रचा गया संसार का खेल।आगे उन्होंने लोगो को पुराने वर्ष की विदाई और नव वर्ष की शुभकामनाएं आयोजित स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिए।साथ ही सभा को संबोधित करते हुए ओम शांति भवन के प्रबंधक राजयोगी बीके श्रवण कुमार ने जन्म से मृत्यु तक के जीवन चक्र के रहस्य को बतलाते हुए कहा-हर शिशु का जन्म रोते हुए होता है और जीवन यात्रा पूरा करते मृत्युसैया में पड़े हुए रोते हुए विदाई लेता है लेकिन नाम उनका अमर हो जाता है जो हंसते मुस्कुराते हुए इस संसार सागर से विदाई लेता है।जीवन की इस यात्रा में सुख दुख, मान अपमान,हार जीत की अवस्था में भी जो इंसान समरस रहता है,वह जिंदगी के सफर का आंनद लेते हंसते मुस्कुराते हुए संसार से विदाई लेता है और अपने श्रेष्ठ कर्मों के कारण इतिहास में अमर हो जाता है।कार्यक्रम में ओम शांति भवन की बढ़ती हुई सेवाओं के मद्देनजर राजयोगी बीके योगेश कुमार को अगला प्रबंधक नियुक्त कर उन्हें कार्यभार सौंपा गया।कार्यक्रम को जनपद सदस्य अवधराम साहू,सरपंच हेमलाल नेताम,भाजपा मंडल के संगठन मंत्री पालेंद्र साहू तथा ग्राम कनेसर के सरपंच ने भी संबोधित किए।तत्पश्चात राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अफसाना वंदना बहन ने परमपिता परमात्मा शिव तथा दिव्य शक्तियों को भोग स्वीकार कराई।कार्यक्रम में कसेकेरा तथा फिंगेश्वरी के बच्चियों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुति किया गया।इस दौरान नाशिक, महाराष्ट्र ,रायपुर, बिलासपुर, गरियाबंद, अभनपुर, तेंदुकोना, आरंग, राजिम, फिंगेश्वर, छुरा, मुहेरा, अमेठी, कसेकेरा, फिंगेश्वरी, अकलवारा, खड़मा, कनेसर, करकरा के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए।

पात्र किसानों से हो गुणवत्तापूर्ण धान की खरीदी :कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज शाम धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा बैठक लेते हुए धान खरीदी केंद्रों के नोडल अधिकारियों, समिति प्रबंधकों, एसडीएम एवं तहसीलदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्रों में आने वाले किसानों के धान की गुणवत्ता का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए तथा धान की खरीदी औसत गुणवत्ता शासन के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही हो।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन के मापदंडों के अनुसार केवल मूल किसानों से ही उनका धान खरीदा जाए। रकबा संशोधन एवं त्रुटि सुधार से संबंधित आवेदनों पर गंभीरता से कार्यवाही कर किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि कोचियों के माध्यम से अवैध धान खरीदी पर पूरी तरह रोक लगाई जाए।

राज्यपाल गोदग्राम बिजली पंचायत का होगा सर्वांगीण विकास किया जाएगा - राज्यपाल सचिव प्रसन्ना

बिजली पंचायत के सतत् विकास के लिए राज्यपाल के सचिव सी आर प्रसन्ना, कलेक्टर बीएस उइके, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने ग्रामीणों से की चर्चा

गरियाबंद। राज्यपाल रमेन डेका द्वारा गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड को 5 जून 2025 को ग्राम पंचायत बिजली एवं आश्रित गांव मड़वाडीह को गोद लिया गया है। इस ग्राम पंचायत का सतत चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। इस संबंध में राज्यपाल के सचिव एवं सहकारिता सचिव सी.आर.प्रसन्ना ने औचक निरीक्षण किया।इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उन्होंने ग्राम पंचायत बिजली को राज्यपाल द्वारा गोद लिये जाने की अवधारणा को ग्रामीणों एवं बिहान दीदीयों के बीच विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस ग्राम पंचायत का चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराया जाएगा। इसके लिए शासन प्रशासन,जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का सहयोग एवं समन्वय बेहद जरूरी है।

श्री प्रसन्ना ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बिजली में आजीविका संवर्धन हेतु एक विस्तृत एवं बहुआयामी कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र की पात्र महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और लखपति दीदी की श्रेणी तक पहुँचाना है।

उन्होंने ग्रामीण एवं बिहान दीदीयों से चर्चा करते हुए कहा कि कार्ययोजना के तहत अधिकारीकर्मचारियों द्वारा सर्वप्रथम ग्राम पंचायत की उन पात्र महिलाओं को चिन्हांकित किया गया है जो अब तक किसी भी स्व-सहायता समूह से नहीं जुड़ पाई थीं।इन महिलाओं को समूहों से जोड़कर सामूहिक बचत, ऋण एवं आजीविका गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।साथ ही ग्राम पंचायत के समस्त स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज से जोड़ा जा रहा है,ताकि महिलाओं को वित्तीय संसाधनों तक सहज पहुँच मिल सके।अधिक से अधिक महिलाओं को उद्यमी के रूप में विकसित करने तथा उन्हें इंटरप्राइज फाइनेंस से जोड़ने की भी योजना बनाई गई है।ग्राम पंचायत में मॉडल सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) का चयन किया जा चुका है,जो समूहों के मार्गदर्शन,निगरानी एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अतिरिक्त जेंडर रिसोर्स सेंटर के माध्यम से सामाजिक एवं लैंगिक सहायता व्यवस्था को मजबूत करने हेतु भी कार्ययोजना बनाई गई है, जिससे महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और परामर्श जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। कृषि एवं गैर-कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों के लिए स्व-सहायता समूहों की दीदियों का चिन्हांकन किया गया है। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं की आय बढ़ाकर उन्हें लखपति दीदी की श्रेणी में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

धान खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने कलेक्टर का औचक निरीक्षण

उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी कार्य शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों व गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही हो संचालित :- कलेक्टर दुदावत

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेते हुए कोरबा एवं करतला विकासखंड के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में वास्तविक किसानों से धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समितियों को निर्देशित किया कि केंद्रों में आने वाले धान को अनिवार्य रूप से पलटी कराकर ढेरी लगाई जाए, नमी की जांच तथा पुराने एवं अमानक स्तर के धान की खरीदी पर पूर्णतः रोक लगाई जाए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे, जिला खाद्य अधिकारी जी एस कंवर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने भैंसमा, तिलकेजा एवं चिकनीपाली उपार्जन केंद्रों में चल रही खरीदी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समिति प्रबंधक एवं फड़ प्रभारियों से अब तक हुई खरीदी, पंजीकृत किसानों की संख्या, धान बेचने वाले किसानो की संख्या, जारी टोकन, धान उठाव एवं बारदाना उपलब्धता की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही धान का नमी परीक्षण एवं वजन कराकर मौके पर भौतिक सत्यापन भी किया। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्र किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने समिति में आए किसानों से संवाद कर टोकन प्राप्ति की प्रक्रिया, केंद्रों में उपलब्ध सुविधाएं, खेती की स्थिति, उगाए गए धान की किस्म एवं पैदावार की जानकारी भी ली।

किसानों के हित में अनियमितताओं पर सख्ती

निरीक्षण के दौरान भैंसमा समिति में एक किसान के पास पुराना एवं अमानक स्तर का धान पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा अमानक धान को जब्त करने के निर्देश दिए गए। तिलकेजा उपार्जन केंद्र के निरीक्षण के दौरान खरीदी प्रक्रिया में गंभीर अव्यवस्थाएं पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्य में लापरवाही बरतने पर समिति प्रबंधक दुल्ली चंद धीवर को निलंबित करने के निर्देश दिए । कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही संचालित की जाए, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संस्कारों और संस्कृति की शिक्षा का मंच है केपीएस पाटन: सांसद विजय बघेल

पाटन । केपीएस पाटन वार्षिक उत्सव समारोह विद्यालय कीशैक्षणिक उत्कृष्ट सांस्कृतिक चेतना एवं विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभा का सशक्त प्रमाण बना । कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत अनुशासित सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में किया गया जिसमें उत्साह उमंग और रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत छात्राओं द्वारा पुष्प गुच्छ से किया गया। मुख्य अतिथि विजय बघेल लोकसभा सांसद दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि वार्षिक समारोह केवल मंचीय कार्यक्रम नहीं बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास अभिव्यक्ति एवं नेतृत्व क्षमता को निकालने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने शिक्षा संस्कार और अनुशासन को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। संस्कारी शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करती है जब शिक्षा को सांस्कृतिक आधार मिलता है तभी व्यक्तित्व पूर्ण रूप से विकसित होता है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की यादों को ताजा करते हुए बच्चों को जीवन मूल्यों का संदेश दिया । उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण अनुशासन और निरंतर परिश्रम का मंत्र दिया एवं बच्चों के द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रम में आत्मविश्वास एवं अनुशासन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। पालको को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि आपका बच्चा वही बनेगा जो आप उसे बनाना सिखाएंगे आज का छोटा प्रयास कल उनके भविष्य को रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि आज का यह मंच केवल रंगारंग कार्यक्रमों का नहीं बल्कि बचपन के सपनों मेहनत की मुस्कान और उज्जवल भविष्य का मंच है। अंत में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने इस सफल एवं भव्य वार्षिक समारोह के आयोजन के लिए विद्यालय परिवार की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

प्रथम सत्र के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग जिले के एसएसपी विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा ही जीवन का मूल होना चाहिए इसमें किसी भी प्रकार की भूल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए उन्होंने विशेष रूप से दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के अनिवार्यता पर जोर दिया उन्होंने कहा कि जब सड़क दुर्घटना होती है तो उसका असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरा परिवार इस त्रासदी को वर्षों तक झेलता है , इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन करना किसी कानून का डर नहीं बल्कि अपने परिवार की प्रति हमारी जिम्मेदारी है । उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को स्कूल भेजने से पहले उन पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव न डालें बच्चों का मन कोमल होता है यदि उन्हें तनाव मुक्त माहौल मिलेगा तो वह आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे और अच्छे नागरिक अच्छे अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

संस्था की डायरेक्टर श्रीमती अनुपमा उपाध्याय ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में जीवन से जुड़े अनेक उदाहरणों एवं सारगर्भित सूक्तियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, परिश्रम और सकारात्मक सोच का संचार करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहां गुरु और शिष्य का संबंध केवल शिक्षा देनेङ्कलेने का नहीं होता, यह जीवन को दिशा देने वाला, संस्कारों को गढ़ने वाला और व्यक्तित्व को निखारने वाला पवित्र संबंध होता है। शिष्य का जीवन एक कच्चे मिट्टी के पात्र के समान होता है, और गुरु वह कुम्हार होते हैं, जो अपने अनुभव, धैर्य और प्रेम से उसे एक सुंदर, उपयोगी और मजबूत रूप देते हैं।

इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री मयंक कटकवार ने कहा कि विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल और संस्कार का संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपनी कमजोरियों को अवसर में बदलें और लगातार प्रयासरत रहें।आप सभी के पास असीमित क्षमता और विशाल सपने हैं। आज आप जो संस्कार देंगे, वही कल उनके भविष्य की नींव बनेगा।

संक्षिप्त-खबर

बालगृहों में स्वीकृत संविदा पदों के भर्ती के लिए 21 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण समिति संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के बालगृहों के लिए स्वीकृत संविदा पदों के लिए शासकीय बालगृह (बालिका) के 14 पद एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण राजनांदगांव के 1 पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए 21 जनवरी 2026 शाम 5.30 बजे तक आवेदन आमंत्रित की गई है। उक्त पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग राजनांदगांव में पंजीकृत डाक, स्पीड, पोस्ट, कोरियर के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाईट 222.ष्द2ष्त्र.द्गश्1.द्बठ्ठ, 222.ष्द्ध्रद्गह्ल्ड्डह्लद्द.द्गश्1.द्बठ्ठ तथा कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त कलेक्टोरेट कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक 11 राजनांदगांव सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है।

15 लाख बकाया पर निगम का सख्त एक्शन, होटल मालवा सीलिंग की कार्रवाई

दुर्ग। आयुक्त सुमित अग्रवाल के सख्त निर्देशों के बाद नगर निगम का राजस्व अमला बड़े बकायादारों एवं बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों पर लगातार शिकंजा कस रहा है। इसी क्रम में शहर के मालवा होटल पर आज बड़ी कार्रवाई की गई। निगम रिकॉर्ड के अनुसार मालवा होटल पर लगभग 15 लाख रुपये का कर वर्षों से बकाया है। इसके अलावा होटल द्वारा बिना वैध विज्ञप्ति/व्यवसाय लाइसेंस के संचालन किया जा रहा था। बकाया कर वसूली एवं नियमों के उल्लंघन को लेकर राजस्व अमला आज सीलिंग की कार्रवाई करने मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा।होटल प्रबंधन की ओर से बकाया राशि जमा करने के लिए समय की मांग की गई, जिस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार तत्काल भुगतान या वैधानिक प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बकाया कर नहीं चुकाने वाले एवं बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों के खिलाफकिसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी।

नियमों का पालन नहीं करने पर सीलिंग, जुर्माना एवं विधिसम्मत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।आयुक्त ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे समय पर करों का भुगतान करें एवं आवश्यक लाइसेंस लेकर ही व्यवसाय संचालित करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई के लिए तैयार रहें।जन संपर्क/राजू बक्शी अनुशासन एवं सम्मान के साथ राष्ट्रगीत में सहभागिता निभाई। संपूर्ण वातावरण देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना से सराबोर रहा।

लिमदरहा के युवक की जमदरहा पानी टंकी अहाता ग्राउंड के अंदर मिला शव

बसना। थाना अंतर्गत पुलिस चौकी भंवरपुर के ग्राम जमदरहा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। ग्राम लिमदरहा निवासी 25 वर्षीय गौतम साहू का शव जमदरहा स्थित पानी टंकी अहाता ग्राउंड के अंदर पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही भंवरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। मृतक के पिता सूजन साहू के अनुसार, उनका पुत्र गौतम साहू 12 जनवरी 2026 को अपनी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक ष्टत्र06 त्रष्ट 6352) से धान बिक्री का पैसा निकालने बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा चनाट गया था। दोपहर बाद बैंक से निकलने के बाद वह लापता हो गया और शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों द्वारा आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

अगले दिन सोशल मीडिया पर एक अज्ञात शव की तस्वीर वायरल हुई, जिसके बाद परिजनों को इसकी जानकारी मिली। सूचना मिलने पर परिजन रिश्तेदारों के साथ घटनास्थल पहुंचे, जहां शव की पहचान गौतम साहू के रूप में की गई। प्रारंभ में ग्रामीणों द्वारा शव को अज्ञात समझा जा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चीर घर भेजा गया। फ्लिहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गौतम साहू ने बैंक से पैसे निकाले थे या नहीं। पुलिस के अनुसार युवक की मौत हत्या, आत्महत्या या दुर्घटना—किस कारण से हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। भंवरपुर चौकी पुलिस परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामले की गहन विवेचना कर रही है।घटना के बाद से क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

बैगा ग्राम रंजकी में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर आयोजित

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के लोरमी विकासखण्ड स्थित दूरस्थ वनांचल बैगा ग्रामों में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिया जाता है। इसी कड़ी में बैगा ग्राम रंजकी में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 36 मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी के 04, सर्दी-खांसी के 09, दाद,खाज,खुजली के 05, बीपी के 02, कमजोरी एवं हाथ-पैर दर्द के 12, आंख संबंधी बीमारी के 02 मरीजों सहित अन्य 02 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। जिला क्षय-कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में संदेहास्पद टीबी मरीजों की बलगम सीसीनॉट मशीन में जांच के लिए एकत्र किया गया। इसके साथ ही बचाव व नियंत्रण के लिए पाम्पलेट का वितरण किया गया।

सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

वर्ष -01 ✦ अंक- 02 ✦ दुर्ग, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 ✦ ✦ पृष्ठ- 08 ✦ मूल्य- 2 रुपए ✦ संपादक- आलोक तिवारी ✦ PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

न्यूज Window

सेना दिवस पर कांग्रेस नेतृत्व ने किया वीर जवानों को नमन

नई दिल्ली। सेना दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने भारतीय सेना के शौर्य, त्याग और निस्वार्थ सेवा को सलाम किया। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिवारों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। खर्गे ने भारतीय सेना को राष्ट्र की अडिग ढाल बताते हुए कहा कि सेना कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करती है, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के दौरान स्थिरता बनाए रखती है और प्राकृतिक आपदाओं के समय निस्वार्थ सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि जवानों का अदम्य साहस, उच्च पेशेवर दक्षता और बलिदान की भावना देश को सुरक्षित रखती है, जिसके लिए पूरा राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सेना दिवस पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में हर समय तत्पर रहने वाले हमारे वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक बधाई। राहुल गांधी ने जवानों के साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

भारत में हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1949 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जब फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा ने भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला था। यह दिवस भारतीय सेना के स्वदेशी नेतृत्व और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है।

उद्धव ठाकरे ने लगाया कोताही बरतने का आरोप, बोले- चुनाव आयोग के अधिकारी वेतन किस काम का ले रहे हैं?

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर महानगर पालिका के चुनाव में अव्यवस्था बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया इस चुनाव में इतनी शिकायतें हमें सुनने को मिली है, जितना किसी भी चुनाव में नहीं मिली। इस तरह की स्थिति एक लोकतांत्रिक प्रणाली में बिल्कुल ठीक है। उद्धव ठाकरे ने प्रेसवार्ता में कहा कि महाराष्ट्र नगरपालिका के चुनाव में मतदाताओं के हाथों में इंक लगाई जा रही है, जिससे यह जाहिर हो सके कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। मुझे भी व्यक्तिगत तौर पर इस संबंध में कई शिकायतें मिल चुकी हैं, जो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि मतदान के दौरान एक मंत्री को भी अपने पोलिंग बूथ खोजने में इतनी जद्दोजहद करनी पड़ी। इससे ज्यादा दुखद हमारे लिए क्या हो सकता है?

उन्होंने कहा कि इस पूरी स्थिति ने चुनाव के दौरान बरती गई अव्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। जिस तरह की अव्यवस्था चुनाव आयोग के द्वारा बरती जा रही है, उससे यह साफ जाहिर होता है कि लोकतंत्र की हत्या करने की साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने मांग की कि महानगर पालिका के चुनाव में बरती जा रही कोताही को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग के कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में 5 लोगों की मौत, 10 घायल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जिले के बेरसिया थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब एक पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार लोग मकर संक्रांति के अवसर पर नर्मदापुरम में पवित्र स्नान कर वापस लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बेरसिया थाना प्रभारी विजेंद्र सेन ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं।

सेना दिवस पर पीएम मोदी ने किया भारतीय सेना के शौर्य को सलाम

एकता, संप्रभुता और मानवता की रक्षक-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन नेताओं ने भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन और बलिदान को सलाम किया। इस मौके पर हर नेता के संदेश का स्पष्ट फोकस सेना की निस्वार्थ सेवा, राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान पर रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा की मिसाल है, जो सबसे कठिन हालात में भी दृढ़ संकल्प के साथ देश की रक्षा करती है। उन्होंने सैनिकों के कर्तव्यबोध को देशवासियों में विश्वास और कृतज्ञता जगाने वाला बताया और कर्तव्य पथ पर शहीद हुए वीरों को नमन किया।राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सेना देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में हमेशा अग्रिम पंक्ति में रही है। उन्होंने सीमाओं के साथ-साथ आपदा, संकट और मानवीय सहायता में सेना की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने अपने पेशेवर कौशल, अनुशासन और मानवीय सेवा से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार सेना का निर्माण किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने सेना के अधिकारियों, जवानों और पूर्व सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में उनका साहस और बलिदान हर नागरिक को प्रेरणा देता है। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज है, जो हर पीढ़ी के भारतीयों में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करता है। उन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले वीरों को नमन किया।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में अनियमितता, 38 कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई

31 कर्मचारी निलंबित, तीन पर एफआईआर, एक की सेवा समाप्ति

■ रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)

राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी में अनियमितता बरतने के फलस्वरूप समिति प्रबंधकों तथा धान खरीदी से जुड़े 38 कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। इनमें 31 कर्मचारियों के विरूद्ध निलंबन तथा निलंबित, एक की सेवा समाप्ति, दो को सेवा से पृथक, एक को कार्य से पृथक और तीन कर्मचारियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया है। ये कार्रवाईयां प्रदेश के 12 जिलों दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, सक्ती, जगदलपुर, रायपुर, गरियाबंद, महासमुंद तथा बलौदाबाजार-भाटापारा में की गई हैं।

खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार धान खरीदी कार्य के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में स्कंध में कमी के 5 मामले, स्कंध अधिक एवं अव्यवस्थित स्टेकिंग के 3 मामले, नीति विपरीत कार्य-निर्देशों का उल्लंघन के 4 मामले, अमानक धान खरीदी के 5 मामले, धान खरीदी में अनियमितता के 11 मामले, अवकाश के दिन धान खरीदी के 3 मामले सहित फर्जी खरीदी, अनियमितता, टोकन अनियमितता, बिना आवक पर्ची, अवैध वसूली, अव्यवस्था के एक-एक तथा बारदाना वितरण में अनियमितता के 2-2 मामलों पर कार्रवाई की गई है।

दुर्ग जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के भौतिक सत्यापन में स्कंध गड़बड़ी पाए जाने के फलस्वरूप झीट धान उपार्जन केन्द्र के समिति प्रबंधक श्री सौरभ यादव तथा गोढ़ी के समिति प्रबंधक श्री शेखर सिंह कश्यप, खिलोराकला के समिति प्रभारी श्री देवदत पटेल, कन्हारपुर के समिति प्रभारी श्री सेवाराम पटेल, ठेंगाभाट के समिति प्रभारी श्री ईश्वर कुमार साहू, मुरमुंदा के समिति प्रभारी श्री टिकेन्द्र कुर्रे को निलंबित किया गया है। इसी प्रकार सेलूद के सहायक समिति प्रबंधक श्री रोमनदास वैष्णव और भृत्य श्री हरिशंकर साहू को नीति के विपरित कार्य व उल्लंघन के मामले में निलंबित किया गया है।

बेमेतरा जिले में अमानक धान खरीदी के मामले में धान उपार्जन केन्द्र बोरतरा के प्रभारी सहायक प्रबंधक श्री टिकेश्वर निषाद, फड़ प्रभारी (लिपिक) श्री किशन जंघेल, गाडाडी धान उपार्जन केन्द्र के प्रभारी समिति प्रबंधक श्री भुनेश्वर वर्मा तथा फड़ प्रभारी श्री गेंदलाल वर्मा को निलंबित किया गया है।

क्या देश की राजनीतिक कमान युवाओं के हाथों में?

अध्यक्ष पद पर चुनाव की अधिसूचना जारी, 20 जनवरी को भाजपा को मिलेगा नया पार्टी प्रमुख!

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिल सकता है। पार्टी ने आज शुक्रवार को अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन के अनुसार 16 जनवरी को निर्वाचक मंडल मतदाताओं की सूची प्रकाशित की जाएगी। 19 जनवरी को अध्यक्ष पद हेतु नामांकन दाखिल किए जाएंगे, और यदि आवश्यक हुआ तो मंगलवार 20 जनवरी को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, संभावना इसी बात की ज्यादा है कि वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन इकलौते उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस तरह 19 जनवरी को ही वे पार्टी के अगले अध्यक्ष बन जाएंगे। हालांकि, इसकी औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को की जा सकती है। नितिन नवीन के प्रस्तावक के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वर्तमान पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा

प्रस्तावक हो सकते हैं। नितिन नबीन को पार्टी का अध्यक्ष बनाकर भारतीय जनता पार्टी एक नए युग की राजनीति की शुरुआत करना चाहती है। पहले उसने 75 वर्ष से ऊपर आयु के नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में डालकर भारतीय राजनीति में एक नई परंपरा की शुरुआत की थी जिसमें यह तय हो गया था कि नेता भी एक उम्र के बाद राजनीति से 'रिटायर' होंगे और वे देश की राजनीतिक कमान युवाओं के हाथों में सौंपेंगे। बेहद सामान्य कार्यकर्ता और विधायक को पार्टी का अध्यक्ष बनाकर भाजपा अपनी युवा कार्यकर्ताओं को यह संदेश देना चाहती है कि वह भी भी पार्टी के सर्वोच्च पद पर पहुंच सकते हैं।

गैर हिंदुओं का प्रवेश निषेध, रील बनाना भी पूरी तरह वर्जित...

हरकी पैड़ी पर जगह-जगह लगा दिए गए बोर्ड

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार हरकी पैड़ी पर जगह-जगह बोर्ड लगा दिए गए हैं, जिसमें स्पष्ट लिख दिया गया कि अहिंदू का प्रवेश पूरी तरह निषेध है। इसके अलावा तीर्थस्थल की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए हरकी पैड़ी और मालवीय द्वीप क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है।

किसी भी प्रकार के फिल्मी गानों पर फिल्म और रील बनाना भी पूर्णतः वर्जित है। श्रीगंगा सभा ने इस प्रकार से रील्स आदि सोशल मीडिया पर वायरल करने पर कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी है। कुछ दिन पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र में बनाया गया एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हंगामा हो गया था। वीडियो में दो युवक अरबी वेशभूषा में घाटों पर घूमते नजर आ रहे थे। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों ने नाराजगी जताई है। मामले का पुलिस ने संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दो युवक स्वयं को दुबई का निवासी बताते हुए हरकी पैड़ी क्षेत्र में घूमते दिखाई दे रहे थे।

दिग्विजय सिंह के राज्यसभा सीट छोड़ने पर कांग्रेस विधायक का बयान, कहा- इनको इग्नोर करके काम नहीं चलेगा

दतिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा सीट छोड़ने का ऐलान किया है। इसके बाद से राजनीतिक गलियारों में बहस तेज हो गई है। ऐसे में कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- दिग्विजय सिंह ऐसे नेता हैं जिन्हें इग्नोर करके किसी का काम नहीं चल सकता। उन्होंने जोर देते हुए कहा- दिग्विजय सिंह जितने जीनियस और मेहनती हैं, वैसे नेताओं की कांग्रेस को और जरूरत है। उन्हें

जनता और पार्टी के लिए समर्पित बताते हुए कहा- उनकी खासियत यही है कि वे लगातार स्वीकार्य और प्रिंसिपल्ड बने हुए हैं। आगे कहा- दिग्विजय सिंह जी कांग्रेस पार्टी के लिए, मध्य प्रदेश के लिए, जनता के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं। उन्हें किसी भी तरह से इग्नोर करके काम नहीं चल सकता है।

मचाडो के प्रेसिडेंट बनने की चर्चा थी, लेकिन ट्रम्प का समर्थन नहीं

वेनेजुएलाई नेता ने अपना नोबेल पुरस्कार ट्रम्प को दिया

■ वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में ट्रम्प को अपना नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने के बाद यह उनकी किसी भी वेनेजुएलाई नेता से पहली आमने-सामने की मुलाकात थी।

मुलाकात के बाद माचाडो ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल भेंट किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम वेनेजुएलावासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।'

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मचाडो ने ट्रम्प को अपना पुरस्कार सौंपने के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने दूसरी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी यह नहीं बताया कि ट्रम्प ने मेडल स्वीकार किया या नहीं।

व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद मचाडो ने बाहर जुटे समर्थकों से स्पेनिश में कहा, 'हम राष्ट्रपति ट्रम्प पर भरोसा कर सकते हैं।' हालांकि, ट्रम्प ने अब तक माचाडो को वेनेजुएला की नई नेता के रूप में

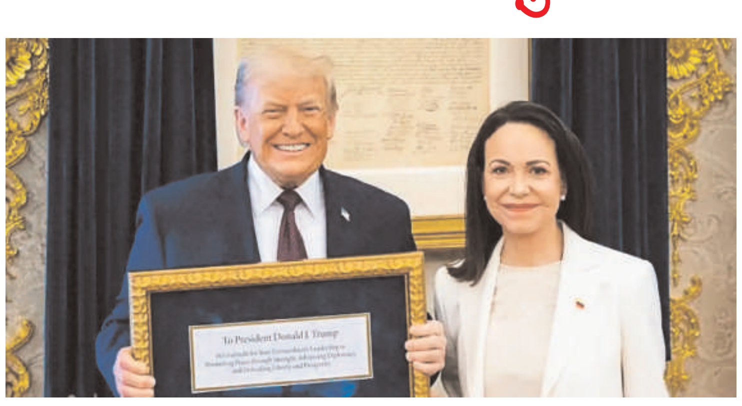

समर्थन नहीं दिया है। इसकी बजाय वे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ काम कर रहे हैं।

माचाडो ने पेंसिल्वेनिया एवेन्यू पर समर्थकों का अभिवादन किया। उनके हाथ में विपक्षी नेता जुआन पाब्लो गुआनिपा का एक पोस्टर था।

नोबेल संस्थान बोला- पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन उपाधि नहीं

ट्रम्प हमेशा नोबेल शांति पुरस्कार लेने की इच्छा जताते रहे हैं। जब यह मचाडो को मिला तो उन्होंने नाराजगी जताई।

दूसरी ओर नोबेल कमेटी ने पहले कहा था कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता। न ही इसे साझा किया जा सकता है और न ही किसी और को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहेगा।

वहीं, गुरुवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक से पहले नोबेल संस्थान ने ङ्क पर पोस्ट कर बताया कि एक पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार विजेता की उपाधि नहीं बदल सकती। अक्टूबर 2025 में मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 'वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके प्रयासों और तानाशाही से शांतिपूर्ण लड़ाई' के लिए यह सम्मान मिला था।

वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी को मेडल लौटाया-मचाडो

मचाडो ने ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार देते हुए 1825 में अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के हीरो मार्क्विस डे लाफायेट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, '200 साल पहले मार्क्विस डे लाफायेट ने जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर वाला मेडल साइमन बोलिवर को दिया था, जो अमेरिका और वेनेजुएला के बीच स्वतंत्रता की लड़ाई में भाईचारे का प्रतीक था। अब, बोलिवर के लोगों ने वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी (ट्रम्प) को नोबेल मेडल लौटाया है।

लाफायेट ने दक्षिण अमेरिका के आजादी के नेता साइमन बोलिवर को एक खास सोने का पदक भेजा। इस पदक पर अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर बनी हुई थी। यह तोहफा दोनों देशों के बीच भाईचारे और तानाशाही के खिलाफ साझा लड़ाई का प्रतीक था। बोलिवर ने इस पदक को बहुत सम्मान दिया और इसे हमेशा पहनते रहे। वेनेजुएला के लोग खुद को बोलिवर के वंशज मानते हैं।

आई-पैक रेड मामले में ममता सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

■ नई दिल्ली (एजेंसी)

एजेंसी के काम में रुकावट न डालें- सुप्रीम कोर्ट

आई-पैक रेड मामले में ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां ? किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है?

ईडी ने 8 जनवरी को तृणमूल

कांग्रेस के ईडी हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान छ्रू ममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

कोर्ट रूम लाइव- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने श्वष्ठ का पक्ष रखा। कबिल सिब्बल ने बंगाल सरकार की दलीलें रखीं।

सुप्रीम कोर्ट: आप वहां किसलिए गए थे? किस बात की जांच चल रही थी?

सॉलिसिटर जनरल: ईडी अवैध कोयला घोटाले की जांच के लिए गई थी। सरकार कह रही है कि हम एसआईआर डेटा जब्त करने गए थे। एसआईआर डेटा पहले से वेबसाइट पर उपलब्ध है! कोई मूर्ख ही वह जब्त करने के लिए वहां जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट: क्या इस कोयला घोटाले की जांच चल रही है?

सॉलिसिटर जनरल: जी हां। कोयले का भुगतान कैश में किया जाता था। समन का कोई जवाब नहीं मिला। एक हवाला चैनल की पहचान की गई है। लगभग 20 करोड़ कैश आई-पैक को ट्रांसफर हुए। इसलिए 8 जनवरी को कंपनी के 10 ठिकानों में तलाशी ली गई।

सुप्रीम कोर्ट: क्या यह वही आई-पैक है जिससे पहले श्री प्रशांत किशोर जुड़े थे?

सॉलिसिटर जनरल: जी हां। हमने पहले ही अधिकारियों को ईमेल पर इसकी जानकारी दी थी। हमें राजनीतिक गतिविधियों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। हमें नहीं पता कि वे क्या छिपाना चाहते थे कि मुख्यमंत्री पूरी पुलिस फोर्स के साथ अंदर घुस आईं?

कपिल सिब्बल : कोयला घोटाले में आखिरी बयान फरवरी 2024 में दर्ज किया गया था; तब से ईडी क्या कर रही थी?

संपादकीय

भारत रत्न के बनते 'खुदरा बाजार' से उठते सियासी सवाल?

अपने चहेते नेताओं को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' दिलवाने की जो होड़ नेताओं और समाजसेवियों में मची है, उससे इसकी प्रतिष्ठा पर आंच स्वाभाविक है। इसलिए सवाल उठता है कि आखिरकार देश के प्रधानमंत्री भारत रत्न जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार को 'खुदरा बाजार' क्यों बनने दे रहे हैं क्योंकि किसी को इसे देना या न देना उनका विवेकाधिकार/विशेषाधिकार समझा जाता है। इसलिए उनकी भूमिका पर सियासी सवाल उठना लाजिमी है और उनसे अपेक्षा की जाती है कि वो इसका राजनीतिक जवाब तो कतई नहीं दें!

कहना न होगा कि 'भारत रत्न' भारत वर्ष का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जिसे कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। इसकी स्थापना 2 जनवरी 1954 को राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। इसलिए सियासी लाभ या तुष्टिकरण के लिए इसे प्रदान करने से इसकी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय गरिमा उसी प्रकार से घटेगी जैसे नोबल का शांति पुरस्कार पाने की सार्वजनिक ललक से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंफ और इस पुरस्कार की घटी है क्योंकि इस हेतु चल रही लॉबिंग से पुरस्कारों की दुनिया उसी तरह से शर्मसार हुई है जैसे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित पीएचडी की नियमित डिग्री के समानांतर मानद डिग्री देने के खुले कारोबार से 'डॉ' उपाधि की महत्ता शैक्षणिक व सामाजिक जगत में घटी है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक अब तक 53 व्यक्तियों को यह सम्मान मिल चुका है जिसमें अधिकांश राजनेता, वैज्ञानिक और समाजसेवी शामिल हैं। 1954 में प्रथम प्राप्तकर्ता सर्वपल्ली राधाकृष्णन और चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जी रहे। शुरू में केवल जीवित व्यक्तियों को ही यह पुरस्कार मिलता था लेकिन 1955 से मरणोपरांत भी देने का प्रावधान जोड़ा गया। अन्य उल्लेखनीय प्राप्तकर्ताओं में जवाहरलाल नेहरू (1955), पुरुषोत्तम दास टंडन (1961), इंदिरा गांधी (1971), वल्लभभाई पटेल (1991), गोविंद बल्लभ पंत (1957), मोरारजी देसाई (1991), जेआरडी टाटा (1992, एकमात्र व्यवसायी), गुलजारीलाल नंदा (1997), अरुणा आसफ अली (1997), जयप्रकाश नारायण (1999), सचिन तेंदुलकर (2014, खेल क्षेत्र से पहला), अटल बिहारी बाजपेयी (2015), प्रणब मुखर्जी (2019 पूर्व राष्ट्रपति)

लालकृष्ण आडवाणी (2024), पीवी नरसिम्हाराव (2024, मरणोपरांत), चौधरी चरण सिंह (2024, मरणोपरांत), कर्पूरी ठाकुर (2024, मरणोपरांत), एमएस स्वामीनाथन (2024) आदि शामिल हैं।

इन 53 पुरस्कृत शख्सियत में से अधिकतर राजनीति और विज्ञान से जुड़े हैं जबकि एक खिलाड़ी और एक व्यवसायी को भी यह पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्?कार 1954 से दिया जा रहा है। पहले यह अधिकतम तीन लोगों को दिया गया जबकि 1999 में अधिकतम चार लोगों और 2024 में अधिकतम पांच लोगों को दिया जा चुका है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को लेकर वर्ष दर वर्ष उठती मांगें और उससे उतपन्न होने वाले सियासी, सामाजिक व सांप्रदायिक विवाद अब एक नया मोड़ ले चुके हैं और सवाल उठ रहा है कि आखिर इसे खुदरा बाजार क्यों बनने दिया जा रहा है?

ऐसा इसलिए कि विभिन्न राजनीतिक दलों और समर्थकों द्वारा पहले बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर और फिर चौधरी चरण सिंह, लालकृष्ण आडवाणी, कर्पूरी ठाकुर और नरसिम्हा राव आदि के लिए जो मांगें उठाई गईं, वो धीरे धीरे पूरी हुई। यही वजह है कि हाल के वर्षों में नवीन पटनायक, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद, मान्यवर कांशीराम, वीपी सिंह, श्रीकृष्ण सिंह समेत अन्य नेताओं व किसान नेताओं के लिए भी इसे प्रदान करने की व्यापक मांग उठ रही है जिससे भारत रत्न जैसे भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान की गम्भीरता प्रभावित होती है क्योंकि यह पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में असाधारण योगदान वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। यह अजीबोगरीब बात यह कि साल 1977 में समाजवादी-राष्ट्रवादी पृष्ठभूमि वाली जनता पार्टी सरकार ने जब इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया था तो अब इसी पृष्ठभूमि वाले राजनेताओं में इसे पाने को लेकर सर्वाधिक होड़ क्यों मची हुई है?

बता दें कि 1980 में कांग्रेस सरकार ने पुनः इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को प्रारम्भ किया। आमतौर पर इसे गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है जिसमें पदक और प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। प्रति वर्ष अधिकतम तीन व्यक्तियों तक सीमित रहता है हालांकि कभी-कभी इससे अधिक घोषित होते हैं। बता दें कि भारत रत्न के लिए चयन प्रक्रिया सरल लेकिन विशेष है जिसमें प्रधानमंत्री स्वयं नामों का चयन कर राष्ट्रपति को सिफारिश भेजते हैं। इसमें कोई औपचारिक नामांकन या समिति की आवश्यकता नहीं होती और जाति, लिंग या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता।

अमेरिकी व्यवस्था का कोई तोड़ नहीं

हरिशंकर व्यास

यह तारीफ़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि-ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025ङ्क26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेज़ुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है।

भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म-जन्मांतर या मोक्ष-मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने-टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ-पांव मारते हैं।

इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के डोनरो डॉक्ट्रिन के शक्ति-सूत्र में था। वेनेज़ुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद-काठी, भाव-भंगिमा, बड़बोलेपन से बार-बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा-भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए?

अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1ङ्क2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ।

सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है; तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वेयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है।

ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास-बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य-वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक-बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी! सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताज़ा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्ज़ी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर-पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फैसले अर्थिकी, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर-तरीकों का फर्क है; अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फैसलों (टैरिफ़ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा-खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा?

वेनेज़ुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा। ध्यान रहे, 'मुनरो डॉक्ट्रिन' का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया, सरकारें बदलीं, दक्षिणपंथी सरकारें बनवाईं। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा पर तो अमेरिका और सोवियत संघ में ज़बरदस्त ठनी थी, जिसके समाधान में सोवियत संघ झुका, उसने क्यूबा से अपनी मिसाइलें हटाईं।

वे दिन वापिस लौट आए हैं। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा है कि अमेरिका अब वेनेज़ुएला को चलाएगा, यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़मीन पर सैनिक उतार कर भी। वेनेज़ुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल-भंडार हैं। उसकी कंपनियां बेहद विशाल संपदा निकालेंगी। अमेरिकी और वेनेज़ुएलावासी, दोनों की अमीरी बढ़ेगी। इसके साथ ट्रंप ने कोलंबिया और क्यूबा को भी धमकाया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर कोकीन बनाकर उसे अमेरिका भेजने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि वे अब अपने को बचाएं।

विश्व राजनीति में अपने इलाके में अपनी दबंगई की चाह हर महाबली को रही है। इसी कारण रूस के पुतिन ने यूक्रेन में पंगा बनाया। ऐसे ही चीन अपने प्रभाव-क्षेत्र की ज़िद में है। हिसाब से दक्षिण एशिया में भारत का हित भी पड़ोसी देशों पर प्रभाव बनाए रखने से, बाहरी प्रभाव यानी चीन को बाहर रखे रखने में है। मगर भारत की व्यवस्था पोली है, चेहरे ठगने वाले हैं; इसलिए चीन को आंख दिखाने या अपने इलाके में अपने रुतबे की ताक़त ही नहीं है। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी (दोनों की कमान में दुनिया ने असल सैन्य क्षमता जानी थी) के अपवाद को छोड़, भारत की व्यवस्था और उसके तमाम प्रधानमंत्री या तो रक्षात्मक रहे हैं या जनता को दिखावे, शौर्य के ऑपरेशन बनाते हुए।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है।

भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। आज उद्यमिता एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुकी है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और विकास व रोजगार सृजन का नया इंजन बन रही है।

यह परिवर्तन रातोंरात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे।

16 जनवरी 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप इंडिया ने लंबा सफर तय किया है। स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आईटी सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। यह व्यापकता विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और मजबूती को दर्शाती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नवाचार और एआई- पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव नवाचार और गहन तकनीक पर बढ़ते ध्यान के रूप में देखा गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुँच गई है, और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल के आधार पर एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है, तथा इंडिया एआई मिशन और रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। बौद्धिक संपदा के निर्माण में तेज़ वृद्धि इस प्रवृत्ति को और मजबूत करती है। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है। अखिल भारतीय विकास- उद्यमिता को देशभर में मिल रहा समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 में केवल चार राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो संस्थागत समर्थन की मजबूती और जमीनी स्तर की भागीदारी को दर्शाता है।

अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है।

समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मेट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

लोकल से ग्लोबल- जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाज़ार बनती जा रही है। वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए स्टार्टअप इंडिया ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाई हैं। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इज़राइल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाज़ार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, न्यूज़ीलैंड और इज़राइल की मेरी हालिया यात्राओं में स्टार्टअप्स भारत के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का अहम हिस्सा रहे। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, साथ ही हमारे उद्यमियों को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार और व्यापारिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।

सुधार और बाज़ार तक पहुंच- इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी सुधारना एक मुख्य आधार रहा है।

सू- दोकू क्र.288

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.287 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -288

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 287 का हल

स्वा	द	2	सा	म	ना	3	कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट	8	ना	क	क	ट	ना
बी	10	प			11	ड़ी	13	प
14	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो		20	र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	24
म	क	र		सी	ल		26	21
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

6 फरवरी को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन

राजिम कुंभ (कल्प) नवीन मेला स्थल, लगभग 200 जोड़े का विवाह होगा

गरियाबंद। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन आगामी 6 फरवरी 2026 को राजिम कुंभ (कल्प) नवीन मेला स्थल,चौबेबांधा में अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा।महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने बताया कि इस आयोजन में लगभग 200 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा।

जिन माता-पिता को अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों का सामूहिक विवाह कराना है,वे संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों तथा परियोजना कार्यालय में 31 जनवरी 2026 को सायं 5:30 बजे तक पंजीयन करा सकते हैं।निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।योजना के तहत कन्या को मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजनांतर्गत जारी राशन कार्डधारी परिवार का होना चाहिए।साथ ही बीपीएल के अतिरिक्त अन्य कार्डधारी भी पात्र होंगे।

कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है।आयु सत्यापन के लिए वर-वधु की शैक्षणिक अंकसूची प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।कन्या एवं उसके परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना आवश्यक है। विवाह के लिए वर-वधु के माता-पिता की सहमति भी अनिवार्य है।विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को भी इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

योजना अंतर्गत वधु को 35 हजार रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।इसके अतिरिक्त 7 हजार रुपये की श्रृंगार सामग्री तथा 8 हजार रुपये विवाह आयोजन मंडप आदि मदों में व्यय किया जाएगा। चेक का वितरण विवाह स्थल में ही किया जाएगा। जिसके लिए वधु को अपने बैंक पासबुक की छायाप्रति साथ लानी होगी।जिससे चेक तैयार करने एवं वितरण में सुविधा होगी।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत दिव्यांग कन्या को समाज कल्याण विभाग के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग से भी लाभ प्रदान किया जाएगा। अंतरजातीय विवाह के प्रकरणों में अतिरिक्त लाभ आदिम जाति विकास विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र एवं निर्धन परिवारों को इसका लाभ प्राप्त कराने हेतु प्रोत्साहित करें।

खबर-खास

प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी में कार्यरत रोवर-रेंजरों एवं लीडर्स को मोमेंटो एवं ट्रैक सूट प्रदान कर किया गया सम्मानित

बालोद। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बालोद द्वारा दुधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रोवर-रेंजरों एवं लीडरों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जंबूरी के दौरान विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले रोवर-रेंजरों एवं लीडरों को राज्य मुख्यालय द्वारा मोमेंटो एवं ट्रैक सूट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव जितेन्द्र साहू, राज्य आयुक्त (रोवर) अशोक देशमुख, राज्य संगठन आयुक्त अमित कुमार क्षत्रिय, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनम साहू तथा जिला मुख्य आयुक्त राकेश यादव के आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा ने अपने संबोधन में कहा कि रोवर-रेंजरों एवं लीडरों ने पूर्ण समर्पण, अनुशासन और एकजुटता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन अत्यंत सफल रहा। उन्होंने जिला प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सहयोगी ग्रामीणजनों का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन बालोद से नोडल अधिकारी हिमांशु मिश्रा तथा विकासखंड सचिव सहित जिला संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

अमित मिरी गरियाबंद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त

गरियाबंद। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को प्रदेशभर के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की घोषणा की गई। इसी क्रम में गरियाबंद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस के लंबे समय से संघर्षशील, ऊर्जावान एवं समर्पित युवा नेता अमित मिरी की नियुक्ति की गई है।अपनी नियुक्ति पर नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अमित मिरी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहप्रभारी एस.ए. संपत कुमार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत,बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा विधायक जनक ध्रुव पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी सकलेन कामदार, जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, वरिष्ठ नेता युगल किशोर पांडेय सहित समस्त वरिष्ठ नेताओं एवं नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

अमित मिरी ने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन्हें सौंपा है,उस पर वे पूरी निष्ठा,ईमानदारी और समर्पण के साथ खरे उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कांग्रेस संगठन की रीति-नीति को जमीनी स्तर तक मजबूत करने,कार्यकर्ताओं को एकजुट करने एवं जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने की प्रतिबद्धता दोहराई।उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पूरी मजबूती से आवाज बुलंद करेगी तथा आम जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

उक्त नियुक्ति पर नरेंद्र देवांगन,मंजू ध्रुव,हाफिज खान,महेंद्र राजपूत,भानु सिन्हा,डीलेश्वर देवांगन, बीरू यादव,रमेश मेश्राम,श्रद्धा राजपूत,गौरव मिश्रा, अमृत पटेल,चित्रांश ध्रुव,मुकेश रामटेके,संदीप सरकार,मनीष ध्रुव,केशु सिन्हा,दिलीप सिन्हा, हरीश देवांगन,सविता गिरी,प्रतिभा पटेल,अवध राम यादव,सन्नी मेमन,राजेश साहू,हरमेश चावड़ा, अजगर खान,वीरेंद्र ठाकुर,प्रदीप यादव,महेन्द्र यादव,चित्रसेन साहू,सूरज यादव,रमन सिंग,पप्पू यादव,नेपाल यादव,वालेश मरकाम,अक्रूराम यादव,आत्मा राम मरकाम,प्रेम नेताम,परमानंद सोम,मुकेश भोई सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बधाई ज्ञापित की है।

तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव की जयंती मनाई जाएगी, 18 को होगा आयोजन

पाटन। ग्राम तरीघाट में छत्तीसगढ़ कलार सिन्हा समाज के तत्वावधान में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 18/01/2026 दिन रविवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें सुबह 11 बजे से कलश यात्रा निकाली जाएगी दोपहर 2 बजे से अतिथि आगमन होगा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मान रूपनारायण सिन्हा जी अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, अध्यक्षता सुरेश सिन्हा जिलाध्यक्ष कलार समाज, संरक्षक भुनेश्वर प्रसाद सिन्हा,तोरन लाल सिन्हा महामंत्री कलार समाज दुर्ग,बिसहत सिन्हा जिला कोषाध्यक्ष,रिखीराम सिन्हा मण्डलेश्वर पाटन, चोवाराम सिन्हा संरक्षक,सुरेश कुमार सिन्हा सचिव,शैलैन्द्र सिन्हा कोषाध्यक्ष, तेजराम सिन्हा क्षेत्राधिकारी,जनपद सदस्य भावना निषाद,चन्द्रिका साहू सरपंच तरीघाट,प्रकाश गिर गोस्वामी उपसरपंच तरीघाट शामिल होंगे। आयोजक ग्राम प्रमुख जयराम सिन्हा,गैदलाल सिन्हा स्थानीय अध्यक्ष, एवं समस्त कलार समाज तरीघाट होंगे यह जानकारी उपाध्यक्ष चेला राम सिन्हा ने दिया।

ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटाकर किसानों ने अपनाई दलहन एवं तिलहन की खेती

बालोद। जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटाकर किसान दलहन एवं तिलहन की खेती अपना रहे है। जिससें ग्राम जगन्नाथपुर में ग्रीष्मकालीन धान का रकबा घटा है। गिरते भू-जल स्तर को बचाने और कम लागत में बेहतर मुनाफा कमाने के उद्देश्य से इस वर्ष किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहन और तिलहन फसलों की खेती की कर रहे हैं। कृषि विभाग के उप संचालक आशीष चन्द्राकर ने बताया कि जिले के बालोद विकासखंड के ग्राम जगन्नाथपुर में धान के रकबे में भारी कमी आई है। उन्होंने बताया कि ग्राम जगन्नाथपुर में कुल 424 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से पिछले वर्ष 380 हेक्टेयर में ग्रीष्मकालीन धान की फसल ली गई थी। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के सतत मार्गदर्शन के बाद वर्ष 2025-26 में यह रकबा घटकर मात्र 120 हेक्टेयर रह गया है। इसके साथ ही करीब 254 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों ने धान के बदले वैकल्पिक फसलों का चयन किया है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में निरंतर भू-जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही 'कृषक चैपाल' और जनसंपर्क के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है कि ग्रीष्मकालीन धान में अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे भूमिगत जल स्तर तेजी से गिर रहा है। इसके विकल्प के रूप में किसानों को गन्ना, मक्का, कुसुम, सूरजमुखी, दलहन और तिलहन फसल लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसानों द्वारा उत्पादित दलहन-तिलहन फसलों की खरीदी 'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान' के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। इससे किसानों को उत्पादित फसल का सही दाम भी मिलेगा। इसके अलावा किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ भी ले सकते हैं।

सफलता की कहानी : कृतिका को मिला मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

सरकार ने हॉस्पिटल में कृतिका के इलाज के लिए 16 लाख 50 हजार रुपये की दी मदद

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार की 'मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना' राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा बनकर उभरी है। योजना के तहत दुर्लभ और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब 25 लाख रुपये तक की अधिकतम सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। इस योजना की सफलता का एक बड़ा उदाहरण जिले की बालिका कृतिका निषाद बनी हैं। कृतिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए, जिले के कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर विभाग द्वारा पत्राचार कर त्वरित कार्रवाई करते हुए फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम में उसके उच्च स्तरीय इलाज के लिए 16,50,000 रुपये की राशि स्वीकृत की। इस वित्तीय सहायता ने न केवल कृतिका के परिवार को आर्थिक कर्ज से बचाया, बल्कि उसे उचित और समय पर इलाज की सुविधा भी सुनिश्चित की।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस योजना ने अत्यंत जटिल मामलों में राहत पहुँचाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है अब तक 54 गंभीर मामलों में कुल 2,04,12,134 रुपये की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। इस राशि का उपयोग लिवर, किडनी ट्रांसप्लांट, कैंसर और हृदय रोगों जैसे महंगे उपचारों के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, राज्य का कोई भी नागरिक धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। यही सरकार की प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिक पोर्टल पर जाकर पात्र लाभार्थी इस योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यह योजना उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जिनके पास आयुष्मान भारत या अन्य बीमा योजनाओं की सीमा समाप्त हो चुकी है।

या जिनकी बीमारी का खर्च सामान्य सीमाओं से कहीं अधिक है।

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के मंगल प्रवेश पर उमड़ा जनसैलाब, राजनांदगांव बना आध्यात्मिक साक्षी

राजनांदगांव। संस्कारधानी राजनांदगांव मंगलवार को उस समय आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गई, जब नव पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री के आगमन पर शहर में जैन समाज सहित अहिंसा प्रेमी नागरिकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और जयघोष से गूंज उठा। दिगंबर जैन पंचायत के सचिव सूर्यकांत जैन ने बताया कि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज अपने 24 मुनि संघ के साथ जैसे ही गुरुद्वारा चौक पहुंचे, वहां सकल जैन समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। दिगंबर जैन आदर्श महिला मंडल की महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत कर आचार्य श्री की अगवानी की। इस दौरान समाजजनों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया गया। भजन-कीर्तन के बीच आचार्य श्री को नगर भ्रमण कराते हुए दिगंबर जैन मंदिर, गंजलाइन लाया गया। यहां उन्होंने आचार्य भगवंत विद्यासागर महामुनिराज की प्रेरणा से निर्माणाधीन पाषाण जिनालय का अवलोकन किया। मंदिर निर्माण समिति को आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि यह विद्यासागर महाराज का अंतिम प्रकल्प है, इसे शीघ्र पूर्ण करना सभी का दायित्व है। इसके बाद आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने राजनांदगांव के मूलनायक 1008 श्री नेमिनाथ भगवान के दर्शन किए। उदयाचल परिसर में नेमिनाथ भगवान के तैलचित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि जैन धर्म जीव दया का धर्म है और प्रत्येक प्राणी में भगवान बनने की क्षमता है। उन्होंने पंचम काल में भी धर्म साधना को संभव बताते हुए जीवन का सूत्र दिया— देखो, जानो और जाने दो। उन्होंने क्रोध, मान, माया और लोभ से दूर रहने का संदेश दिया। इस धार्मिक आयोजन में शहर के बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाज के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक झंझरी एवं सचिव सूर्यकांत जैन ने नगरवासियों और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत धार्मिक स्थलों व विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा। जिला बेमेतरा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज 15 जनवरी 2026 को व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। यह कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव एवं परियोजना समन्वयक (चाइल्ड हेल्पलाइन) श्री राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत स्थित श्री शमी गणेश मंदिर एवं गुरुद्वारा के ट्रस्टी/प्रबंधक/अध्यक्ष एवं पुजारियों से भेंट कर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान उनसे आग्रह किया गया कि किसी भी विवाह से पूर्व बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं बालक की 21 वर्ष सुनिश्चित करते हुए अनिवार्य रूप से आयु सत्यापन किया जाए। आयु सत्यापन के लिए आधार कार्ड को मान्य न मानते हुए केवल अंकसूची अथवा जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर ही विवाह संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि यह अभियान 1 जनवरी से 31 जनवरी तक जिले के समस्त धार्मिक स्थलों—मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च, मस्जिद, ट्रस्ट—तथा विवाह से जुड़े विभिन्न सेवा प्रदाताओं जैसे धर्मगुरु, टेंट, डीजे, रसोइया आदि के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर जन समुदाय को जागरूक करने हेतु संचालित किया जा रहा है।

350 गांवों की भागीदारी, लाखों किसानों की मौजूदगी से गिरावड़ में ऐतिहासिक किसान गरीब दास गरिमा सम्मान समारोह

रायपुर। हरियाणा के झज्जर जिले के गिरावड़ गांव में 11 जनवरी को किसान संत गरीबदास गरिमा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसका लाइव प्रसारण एलईडी टीवी के माध्यम से ग्राम सेलुद में रखा गया जिसमें बहुत से श्रद्धालु शामिल हुए। इस समारोह में किसानों ने संत रामपाल जी महाराज को उनके सामाजिक और किसान हितैषी कार्यों के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों और वाहनों के साथ जुलूस के रूप में पहुंचे। छत्तीसगढ़ के भी कई अनुयायि पहुंचे थे। संत रामपाल जी महाराज के स्वागत में पुष्प वर्षा और पारंपरिक सम्मान किया गया। किसानों द्वारा उन्हें पगड़ी, शॉल और सम्मान चिन्ह भेंट किए गए।

समारोह के दौरान किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बाढ़ के समय उन्हें त्वरित सहायता मिली। आयोजन स्थल पर अनुशासित व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में किसान एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। समारोह में ग्राम प्रतिनिधि, सरपंच और विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता रही। किसानों ने संत रामपाल जी महाराज को अपना सच्चा हितैषी बताया। कार्यक्रम के पश्चात सामूहिक भोजन व्यवस्था भी की गई। समारोह गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सुब्रत रॉय सहारा: शिखर से पतन की एक सबकभरी कहानी

(वरिष्ठ पत्रकार सुरेश महापात्रा के फेसबुक वाल से)

दोस्तों, कल्पना कीजिए एक ऐसे दौर की, जब लखनऊ की सड़कें चमक रही हों, और एक शादी का माहौल ऐसा हो कि पूरा देश वहां जुटा हो। जी हां, बात हो रही है सुब्रत रॉय सहारा के बेटे की शादी की। उस रात, सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपने पूरे परिवार के साथ बारात में नाच रहे थे। देश के प्रधानमंत्री, घुटनों की तकलीफ के बावजूद मंच पर चढ़कर वर-वधू को आशीर्वाद दे रहे थे। देश का कोई बड़ा नाम ऐसा नहीं बचा था, जो लखनऊ न पहुंचा हो। पच्चीसों मुख्यमंत्री, पूरी केंद्र सरकार, यूपी सरकार, लोकसभा-राज्यसभा के सदस्य, विधानसभाओं के विधायक ङ्क शायद ही कभी इतने लोग एक जगह इकट्ठे हुए हों।

उस वक्त, सुब्रत रॉय सहारा ऐसे लग रहे थे जैसे आज के अंबानी, अडानी या टाटा से भी ज्यादा शक्तिशाली। कभी साइकिल पर घूम-घूमकर नमकीन बिस्कुट बेचने वाले यह शख्स, अब साम्राज्य का बादशाह बन चुका था। लेकिन दोस्तों, किस्मत का खेल देखिए ङ्क एक गलत कदम, और सब कुछ बिखर गया। सहारा इतने फंस गए कि अंत तक बेसहारा और लाचार होकर इस दुनिया से विदा हो गए। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि इंदौर का एक साधारण आदमी, रोशनलाल, उनकी जगमगाती दुनिया को अंधेरे में धकेल देगा।

कहानी शुरू होती है 2009 से। सहारा ने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों के नाम से बॉन्ड जारी किए। तीन करोड़ लोगों ने इन बॉन्ड्स को सब्सक्राइब किया, और करीब 24,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। लेकिन इसमें सेबी के नियम-कानूनों की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। फिर, रोशनलाल ने सहारा की शिकायत नेशनल हाउसिंग बैंक को कर दी। बैंक ने नोटिस भेजा, तो सहारा ने उन्हें दुत्कार दिया ङ्क कहा, यह तुम्हारा मामला नहीं, सेबी का है। अपनी नाक मत घुसेड़ो। बैंक के अधिकारियों को यह बात चुभ गई। उन्होंने रोशनलाल की चिट्ठी, सहारा का जवाब और अपनी टिप्पणी के साथ सब कुछ सेबी को भेज दिया। और फिर शुरू हुई सेबी की जांच। सुब्रत रॉय, जो सत्ता के शीर्ष लोगों को अपनी जेब में रखने का मुगालता पाले हुए थे, उन्होंने इस जांच को भी हल्के में लिया। सेबी ने जब बॉन्ड्स के बारे में पूछताछ की, तो सहारा ने 31,669 कार्टन से भरे 127 ट्रक डॉक्यूमेंट्स सेबी के दफ्तर भेज दिए। कहा, लो, पढ़ लो और जांच कर लो। मुंबई में सेबी के ऑफिस के सामने ट्रकों की कतार लग गई, ट्रैफिक जाम हो गया, और मीडिया का ध्यान इस ओर खिंच गया। उस समय वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी थे, जिन्होंने जांच को पूरी ईमानदारी से करवाया। सेबी ने सहारा को आदेश दिया ङ्क गलत तरीके से जुटाए पैसे को 15त्न ब्याज के साथ निवेशकों को लौटाओ। सहारा पैसा नहीं लौटा पाए। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, सहारा जेल गए, और उसके बाद दिन-ब-दिन उनका साम्राज्य ढहता चला गया। हम सबने देखा, कैसे एक बादशाह बेसहारा हो गया। दोस्तों, यह कहानी हमें दो बड़ी सीख देती है। पहली ङ्क मेहनत, किस्मत और तिकड़म से आप शिखर पर पहुंच सकते हैं, लेकिन अहंकार मत करिए। दूसरी ङ्क शिखर पर पहुंचा जा सकता है, लेकिन वहां घर नहीं बनाया जा सकता। शिखर पर पहुंचने के बाद आपका व्यवहार तय करता है कि आप वहां कितने दिन टिकेंगे।

अब जरा पीछे मुड़कर देखिए, सुब्रत रॉय की जिंदगी सत्तर के दशक में किसी फिल्म से कम नहीं थी। बेहिसाब दौलत, बेशुमार ताकत। लखनऊ में नवाबी के बाद उनका ही राज-दरबार लगता था। राजसी ऐशो-आराम, निजी सेना जैसी सुरक्षा। 1994-95 के दौर में कपूरथला अलीगंज का चमकदार ऑफिस, शनिवार का ड्रेस कोड, सहारा गान, लंबे कॉरपोरेट व्याख्यान ङ्क लखनऊ जैसे नवाबों के शहर के लिए सब कुछ नया और आकर्षक था। वो भारत के उद्योग जगत के पहले सुपरस्टार थे। उनका सूरज कभी अस्त नहीं होता था। जिस पर हाथ रख देते, वो दौलत, शोहरत और ताकत की बुलंदी पर पहुंच जाता। खुद की और सियासत की नजर उतारने के लिए प्रिंट मीडिया के जमाने में उनका अखबार 'राष्ट्रीय सहारा' दंभ से भरा खड़ा रहा। उस दौर में अखबार की तूती बोलती थी। उनके इशारों पर शासन-सत्ता चलती थी। उनकी व्यक्तिगत जिंदगी की कहानियां किवदंतियां बन गईं। पूरा बॉलीवुड, क्रिकेट टीम, बड़े राजनेता, हर तबके के स्टार ङ्क सब उनके दरबार में नतमस्तक रहते थे। रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स की भी चाहत होती थी कि बाकी जिंदगी सहारा की चाकरी में बीते।

दोस्तों, सुब्रत रॉय सहारा की यह कहानी हमें याद दिलाती है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन सच्चाई और विनम्रता ही असली ताकत है। स्वर्गीय सुब्रत रॉय को श्रद्धांजलि, और हम सबके लिए एक सबक ङ्क शिखर पर पहुंचकर गिरना आसान है, लेकिन टिकना मुश्किल। धन्यवाद।

आईसीसी ने अपनी गलती सुधारी :रैंकिंग में कोहली के नंबर-1 रहने के दिन कम बताए थे

नई दिल्ली। आईसीसी ने इस सप्ताह जारी की गई रैंकिंग में एक गलती कर दी थी, जिसे अब काउंसिल ने सुधार लिया है। 14 जनवरी को जारी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली नंबर-1 बल्लेबाज बने थे, लेकिन आईसीसी ने गलती से उनके नंबर-1 रहने के कुल दिन कम बताए थे। बाद में द्बष्ट ने स्पष्ट किया कि विराट वनडे क्रिकेट में कुल 1,547 दिनों तक नंबर-1 बल्लेबाज रहे हैं।

तीसरे नंबर पर हैं कोहली 14 जनवरी को द्बष्ट ने विराट कोहली से जुड़ा एक डाटा सोशल मीडिया पर साझा किया था, जो बाद में गलत साबित हुआ। गलती सामने आने के बाद आईसीसी ने उस कॉपी को सुधार दिया। पहले आईसीसी ने बताया था कि विराट कोहली कुल 825 दिनों तक वनडे रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर रहे हैं, जिसके आधार पर वे इस सूची में दुनिया में 10वें स्थान पर थे।

हालांकि, आंकड़ों में सुधार के बाद आईसीसीने स्पष्ट किया कि विराट कुल 1,547 दिनों तक वनडे क्रिकेट में नंबर-1 बल्लेबाज रहे हैं। इस सही आंकड़े के साथ विराट अब इस सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा दिनों तक नंबर-1 रहने वाले बल्लेबाजों की सूची में उनसे आगे केवल वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचड्र्स (2,306 दिन) और ब्रायन लारा (2,079 दिन) हैं।

विराट वनडे में 11वीं बार नंबर-1 विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन की पारी खेली थी, इसका उन्हें सीधा फायदा मिला। उनके अब 785 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। विराट जुलाई 2021 के बाद पहली बार और ओवरऑल अपने करियर में 11वीं बार नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने हैं। पिछले हफ्ते वे नंबर-2 पर थे। उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा।

आईसीसी रैंकिंग में 3 बड़ी गलतियां, दो बार भारत नंबर-1 बना

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (द्बष्ट) की रैंकिंग में पहले भी गलतियां हो चुकी हैं। 2 मामलों में तो टीम इंडिया को टेस्ट की नंबर-1 टीम बता दिया गया था। बाद में गलती सुधार किया गया...

पहली : भारत ढाई घंटे नंबर-1 रहा पहला मामला 18 जनवरी 2022 को हुआ था। जब द्बष्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर दोपहर 1:30 बजे के करीब भारत को नंबर-1 टेस्ट टीम बताया गया। फिर ढाई घंटे बाद ही 4 बजे भारत को नंबर-1 से हटाकर नंबर-2 टेस्ट टीम कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया फिर नंबर-1 टेस्ट टीम हो गई। पढ़ें पूरी खबर

दूसरी : वर्ल्ड क्रिकेट में भारत की 6 घंटे की बादशाहत फरवरी 2022 में द्बष्ट की गलती से भारत दूसरी बार टेस्ट में नंबर-1 टीम बन गई थी। 6 घंटे बाद द्बष्ट ने फिर नई रैंकिंग जारी की। इसमें भारत फिर से दूसरे और ऑस्ट्रेलिया नंबर वन था। पढ़ें पूरी खबर

तीसरी : रोहित-कोहली के नाम गायब 20 अगस्त 2025 में द्बष्ट की ताजा रैंकिंग से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाम गायब हो गए थे। करीब 4 घंटे बाद बोर्ड ने इस गलती को सुधार लिया।

दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में भी देश का निर्यात बढ़ा

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच बीते महीने (दिसंबर 2025) में भारत से होने वाले वस्तु निर्यात में 1.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान भारत ने 38.51 अरब डॉलर का निर्यात किया है। जबकि, उससे पहले वर्ष की की समान अवधि (दिसंबर 2024) में 37.80 अरब डॉलर का निर्यात किया था।वहीं, बीते महीने वस्तुओं का आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा, जो दिसंबर 2024 में 58.43 अरब डॉलर का रहा है। इस तरह से बीते महीने वस्तुओं के आयात में वृद्धि के चलते व्यापार घाटा बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया।गुरुवार को वाणिज्य मंत्रालय की तरफसे जारी आयात-निर्यात के आंकड़ों से पता चलता है कि वस्तु एवं सेवाओं को मिलाकर भारत ने बीते महीने 74.01 अरब डॉलर का निर्यात किया है, जबकि दिसंबर 2024 में 74.77 अरब डॉलर का निर्यात किया था।

सेवा के निर्यात में गिरावट

इस अवधि में सेवा के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है, जो 36.97 से घटकर 36.50 अरब डॉलर रही है। वहीं, आयात की बात करें तो दिसंबर 2025 में भारत ने वस्तु एवं सेवा का कुल निर्यात 80.84 अरब डॉलर का रहा है, जो दिसंबर 2024 में 76.23 अब ड़लर का रहा था। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान देश का कुल वस्तु निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर का रहा है। जबकि आयात 5.9 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया।

नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर पर पहुंचा

इस तरह वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अगर वस्तु एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात को जोड़कर देखा जाए तो बीते नौ महीनों में निर्यात 4.33 प्रतिशत बढ़ गया है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में 607.93 अरब डॉलर का था लेकिन चालू वित्तीय वर्ष दिसंबर तक ही निर्यात बढ़कर 634.26 अरब डॉलर का रहा है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का निर्यात को लेकर कहना है कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक दिखाई दे रहा है। मौजूदा रुझानों को देखते हुए उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है।

लक्ष्य सेन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई; सात्विक-चिराग और श्रीकांत बाहर

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। हालांकि, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, किदांबी श्रीकांत और एसएच प्रणय भी पुरुष एकल वर्ग में अपने-अपने मुकाबले गंवा बैठे हैं।

लक्ष्य ने केंटा निशिमोटा को हराया

2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने लचीलापन और परिपक्वता दिखाते हुए दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराया और एकल वर्ग में एकमात्र भारतीय चुनौती के रूप में उभरे। उनका सामना अब चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-16, 21-17 से हराया। लक्ष्य को शुरुआत में दिक्कत हुई जिससे निशिमोटो को नियंत्रण करने का मौका मिला और उन्होंने 16-11 की बढ़त बना ली। लेकिन 14-18 से पीछे होने के बाद सेन ने शानदार धैर्य दिखाया, रैलियों को लंबा खींचा, अच्छा बचाव किया और अपने प्रतिद्वंद्वी से गलतियां करवाईं।

लगातार पांच अंक ने मैच का रुख बदल दिया जिससे लक्ष्य को पहले ही मौके पर गेम खत्म करने का मौका मिला। दूसरा गेम एकतरफा रहा क्योंकि लक्ष्य ने समझदारी से रणनीति में बदलाव किया और निशिमोटो को लय नहीं हासिल करने दी। लक्ष्य ने अपने मजबूत डिफेंस और सटीक शॉट चयन से 50 मिनट में मुकाबला जीत लिया।

जापानी जोड़ी से हारे सात्विक-चिराग

खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी को दूसरे दौर में जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और क्योहेई यामाशिता से 27-25, 21-23, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, श्रीकांत ने कड़ी टक्कर दी लेकिन फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए। प्रणय भी अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर देने के बाद सिंगापुर के आठवें वरीय लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए।

मालविका बंसोड़ भी महिला एकल मैच में चीन की पांचवीं वरीय हान यू से 18-21 15-21 से हार गईं। महिला युगल में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई जिसमें त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 84 मिनट तक चले मैराथन मैच में चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त ली यिजिंग और लुओ जुमिन की जोड़ी से 22-20 22-24 21-23 से हार गईं।

रिलायंस, विप्रो, टेक महिंद्रा के आज आएंगे नतीजे, इन 10 शेयरों पर भी रखें नजर

आज शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, टेक महिंद्रा और टाटा टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे आने हैं, इसलिए इन शेयरों पर बाजार का फोकस रहेगा। इनके अलावा निवेशकों की नजर जियो फाइनेंस, इंफोसिस, भेल, रेलटेल समेत 10 अन्य स्टॉक्स पर भी नजर रहेगी, जो आज खबरों में हैं।

आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस ने तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ पिछली तिमाही के 6,806 करोड़ रुपये की तुलना में 2 प्रतिशत घटकर 6,654 करोड़ रुपये रहने की जानकारी दी है। कंपनी का राजस्व पिछली तिमाही की तुलना में 2.2 प्रतिशत बढ़कर 45,479 करोड़ रुपये रहा, जो अनुमानों से थोड़ा बेहतर है। इस दौरान ईबीआईटी 9,479 करोड़ रुपये रहा और परिचालन मार्जिन 20.8 प्रतिशत रहा।जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने तीसरी तिमाही में 269 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 8.8 प्रतिशत कम है, हालांकि कुल आय बढ़कर 901 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वर्ष से दोगुने से अधिक है।बायोकॉन ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए 4,150 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

कंपनी ने 368.35 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 11.26 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए हैं, जो पिछले भाव की तुलना में 2.8 प्रतिशत कम है।एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 36.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 644 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है। साथ ही, शुद्ध ब्याज आय भी 22.1 प्रतिशत बढ़कर 2,285 करोड़ रुपये हो गई है।भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन परियोजना के लिए अंडरस्लंग ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर की आपूर्ति शुरू कर दी है, जो सेमी-हाई स्पीड प्रोपल्शन सेगमेंट में कंपनी के रणनीतिक प्रवेश का संकेत है।

जायडस लाइफसाइंसेज को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) से एल्ट्रोम्बोपैग टैबलेट के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है। यह दवा कुछ खास खून संबंधी विकारों के कारण होने वाली थ्रोम्बोसाइटोपेनिया (कम प्लेटलेट काउंट) के इलाज में प्रयोग होती है।रेलटेल कॉर्पोरेशन को सेंट्रल रेलवे से 88.66 करोड़ रुपये की एक परियोजना के लिए स्वीकृति पत्र मिला है। इस परियोजना के तहत मुंबई, पुणे, सोलापुर, भुसावल और नागपुर डिवीजनों में कई स्टेशनों पर आईपी-एमपीएलएस नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का काम शामिल है। इस परियोजना का उद्देश्य भारतीय रेलवे के लिए एकीकृत संचार सक्षम करना है।एनबीसीसी इंडिया को इंडियन ओवरसीज बैंक से रायपुर में आईओबी नई रीजनल ऑफिस बिल्डिंग की योजना, डिजाइन, क्रियान्वयन और सफल पूर्ति व हस्तांतरण के लिए 55.02 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज ने जिओ क्रेडिट के साथ एक रेफरल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत जैगल अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों को, जैगल के डिवाइस लीजिंग प्रोग्राम का हिस्सा के रूप में, लीजिंग समाधान तक पहुंचने के लिए जिओ क्रेडिट की ओर निर्देशित करेगा।

कौन हैं अमन मोखाड़े? जिसने सबसे तेज 1000 रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर सबको चौंकाया

मुम्बई। अमन मोखाड़े के नाम की गूंज एक बार फिर तब सुनाई दी, जब इस बल्लेबाज ने कर्नायक के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में शतक ठोका। कर्नाटक से मिले 281 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए मोखाड़े ने 122 गेंदों पर 12 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 138 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और अपनी टीम को फाइनल का टिकट दिलाया। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफद मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया। अमन मोखाड़े ने अपनी 138 रनों की इस पारी के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में 1000 रन पूरे किए और वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। अमन मोखाड़े ने मात्र 16वीं पारी में लिस्ट-ए क्रिकेट में 1000 रन पूरे किए। यह किसी भी भारतीय द्वारा लिस्ट ए क्रिकेट में बनाए गए सबसे तेज 1000 रन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के नाम था, जिन्होंने 17-17 पारियों में यह कारनामा किया था।16 पारियों में 1000 लिस्ट ए रन बनाकर अमन मोखाड़े ने ग्रेम पॉलक के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। साउथ अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज ने भी इतनी ही पारियों में 1000 लिस्ट ए रन बनाए थे। अमन मोखाड़े का जन्म 16 जनवरी 2001 को हुआ था। अमन ने अपनी क्रिकेट की ट्रेनिंग मशहूर कोच ज्वाला सिंह से लिया हैय़ ये वही ज्वाला सिंह हैं जो जिन्होंने टीम इंडिया के स्टार यशस्वी जायसवाल को कोचिंग दी हैय़ टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी के साथ अमन लेग ब्रेक स्पिन बॉलिंग भी करते हैं। यह 24 साल का खिलाड़ी सभी फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। 2022-23 में डेब्यू करने के बाद, इसी सीजन में वह किनारे से उठकर सुर्खियों में आया है। उसने 2025-26 रणजी ट्रॉफी के पहले लेग में सात पारियों में 96.16 की औसत से 577 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है।2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी वह विदर्भ के लीडिंग रन-स्कोरर थे, जिसके बाद उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। मोखाडे विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में भी अभी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, उन्होंने 9 पारियों में 97.62 की औसत से 781 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनके पांच शतक विजय हजारे ट्रॉफी के एक ही सीजन में किसी बल्लेबाज़ द्वारा बनाए गए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक हैं।

जेरोधा सीईओ नितिन कामथ ने बीएमसी चुनाव के चलते शेयर बाजार बंद रखने पर उठाया सवाल

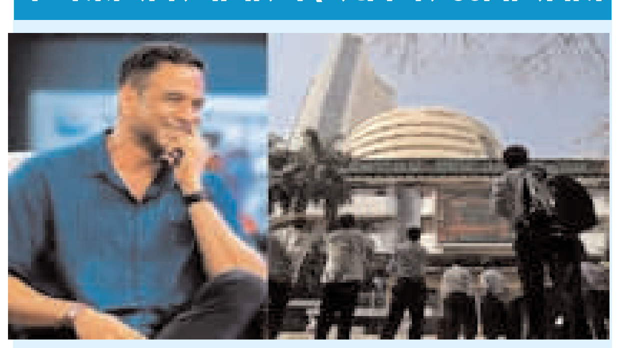

नई दिल्ली। जेरोधा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने बीएमसी चुनाव के चलते आज शेयर बाजार बंद रहने पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों का एक स्थानीय नगर निकाय चुनाव के कारण बंद होना कई सवाल खड़े करता है। ऐसे समय में जब भारतीय बाजारों की वैश्विक स्तर पर भागीदारी बढ़ रही, इस तरह का फैसला योजना की कमी और दूरगामी असर को न समझ पाने की ओर इशारा करता है।

कामथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय शेयर बाजारों के अंतरराष्ट्रीय लिंक हैं और इन पर विदेशी निवेशकों की भी नजर रहती है। ऐसे में केवल मुंबई के नगर निगम चुनाव के कारण बाजार बंद करना सही रणनीति नहीं लगती। इससे ट्रेडिंग, निवेश और वैश्विक भरोसे पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से यह साफ होता है कि हम अभी वैश्विक सोच से काफी पीछे हैं।

अपने पोस्ट में कामथ ने दिग्गज निवेशक चार्ली मंगर के कथन का हवाला देते हुए कहा, मुझे प्रोत्साहन दिखाओ, मैं नतीजा दिखा दूंगा। उनका कहना था कि यह छुट्टी इसलिए भी मौजूद है, क्योंकि इसे खत्म करने का विरोध करने का किसी को खास प्रोत्साहन नहीं है। जब तक फैसलों से जुड़े लोग खुद इसका असर नहीं झेलते, तब तक सिस्टम में बदलाव की कोई ठोस पहल होती नहीं दिखती। कामथ ने इशारों में कहा कि ऐसे फैसले यह भी बताते हैं कि भारत को वैश्विक निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। बाजार की निरंतरता, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार फैसले लेना बेहद जरूरी है। गर भारत को एक गंभीर, भरोसेमंद और मजबूत निवेश गंतव्य बनना है, तो स्थानीय कारणों से बाजार बंद करने की नीति पर दोबारा सोच करना बहुत जरूरी होगा।

इंडियन सुपर लीग को एएफसी से मान्यता मिली, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ का एलान; 14 फरवरी से शुरू होगा सत्र

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि फुटबॉल की महाद्वीपीय संस्था एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छोटे हुए 2025-26 सत्र को मान्यता दे दी है और देश के शीर्ष दो डिविजन विजेताओं को क्षेत्रीय क्वालिफायर के माध्यम से एशियन चैंपियंस लीग 2 के लिए अप्रत्यक्ष स्थान दिए जाएंगे। सत्र की देरी से शुरुआत के कारण क्लब एएफसी चैंपियंस लीग 2 में खेलने के लिए योग्य होने के लिए अनिवार्य 24 मैच नहीं खेल पाएंगे जिसमें शीर्ष डिविजन लीग और घरेलू कप शामिल हैं। ज्यादातर क्लबों के सत्र के दौरान कुल 16 मैच खेलने की उम्मीद है जिसमें एआईएफएफ सुपर कप में कम से कम तीन मैच और आईएसएल में 13 मैच शामिल हैं।

एएफसी ने 15 जनवरी को एआईएफएफ को लिखे एक पत्र में कहा, अनुच्छेद 3.4 और 3.5 के अनुसार किसी सदस्य संघ को दिए गए किसी भी अतिरिक्त स्थान को छोड़कर, अगर कोई सदस्य संघ पात्रता मानदंड पूरा नहीं करता है तो वह केवल संबंधित एएफसी क्लब प्रतियोगिता के लिए केवल अप्रत्यक्ष (मतलब सीधे नहीं बल्कि क्वालीफाइंग के जरिए) स्थान ही प्राप्त करने योग्य होगा, बशर्ते कि अनुच्छेद 4.4 के नियम लागू हों।

सभी 14 टीमों ने भागीदारी की पुष्टि की

आईएसएल का 2025-26 सत्र 14 फरवरी से शुरू होने वाला है जिसमें सभी 14 टीम ने मंगलवार को अपनी भागीदारी की पुष्टि की जिससे संक्षिप्त हुए सत्र में 91 मैच खेले जाएंगे जिसमें हर टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक चरण के मैच (13) खेलेगी। एएफसी के पत्र के अनुसार, इसे देखते हुए सूचित किया जाए कि अगर 2025-26 आईएसएल सत्र आपके पत्र में प्रस्तावित तरीके से आयोजित किया जाता है तो संबंधित एएफसी क्लब प्रतियोगिताओं में प्रवेश के उद्देश्यों के लिए प्रवेश नियम अनुच्छेद 4.3 के अनुसार ही लागू होंगे। इससे पहले आईएसएल क्लबों ने एआईएफएफ से एएफसी से 24 मैच की न्यूनतम अनिवार्यता में एक बार छूट देने का अनुरोध किया था ताकि वे एसीएल 2 में खेल सकें। क्लब के प्रस्ताव को मानते हुए एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायण ने एएफसी को पत्र लिखकर इस सत्र के लिए एक बार की छूट मांगी थी।

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया।

मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे-जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं- 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग-अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा- मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट-कचहरी में एक-दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा- 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा- 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

बिजलीकर्मियों ने 60 साल पुरानी जर्मन मशीन को अपने कौशल से किया पुनर्जीवित

कर्मियों की दक्षता में होगी वृद्धि, अतिउच्च दाब टावर निर्माण में आएगी तेज़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के इंजीनियरों एवं तकनीकी कर्मचारियों ने अपने अनुभव, कौशल और नवाचार का उपयोग करते हुए लगभग 60 साल पुरानी जर्मन निर्मित रेडियल ड्रिल मशीन को सफलतापूर्वक पुन: कार्यशील बना दिया है। यह मशीन 1965 में जर्मनी से आयातित की गई थी और राज्य गठन के कुछ वर्षों बाद तकनीकी खराबी के कारण अनुपयोगी हो गई थी।

इस मशीन को सुधारने के लिए पहले विशेषज्ञों की तलाश की गई थी, परंतु इसकी अत्यधिक पुरानी तकनीक के कारण मरम्मत संभव नहीं हो सकी। इसके पश्चात पॉवर कंपनी के अनुभवी तकनीकी कर्मचारियों ने अपने स्तर पर इसके यांत्रिक एवं विद्युत घटकों का परीक्षण कर चरणबद्ध तरीके से इसे पुन: दुरुस्त करने का कार्य प्रारंभ किया और अंतत: इसे पूर्ण रूप से कार्यशील बना दिया गया।

इस उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह एवं प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बिजलीकर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उदाहरण विभागीय दक्षता, आत्मनिर्भरता और संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग का परिचायक है। श्री शुक्ला ने कहा कि आऊटसोर्सिंग के बढ़ावा देने के युग में इनहाउस टैलेंट पर विश्वास करना एक अच्छी पहल है। कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) वीके दीक्षित ने बताया कि रेडियल ड्रिल मशीन के पुन: चालू होने से अब अति उच्च दाब ट्रांसमिशन टावरों के निर्माण में प्रयुक्त मोटे स्टील एंगल, प्लेट एवं भारी संरचनात्मक सामग्री में सटीक और तीव्र ड्रिलिंग संभव हो सकेगी। इससे जहां काम की गति बढ़ेगी, वहीं अब यह कार्य कम कर्मचारियों में ही पूरा किया जा सकेगा, जिससे मानव संसाधन की दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

अधीक्षण अभियंता केके यादव ने बताया कि यह मशीन जर्मनी की प्रसिद्ध हेवी इंडस्ट्रियल कंपनी बाटलीबाई ट्रांसमिशन टावर के हैवी एंगल व प्लेट की ड्रिलिंग के लिए डिजाइन की गई थी। यह साधारण ड्रिलिंग मशीन नहीं, ब्लकि एक यूरोपियन ग्रेड हेवी इंडस्ट्रियल सिस्टम है, जिसमें 60 एमएम तक की स्टील की कटिंग, पंचिंग और नाचिंग तीनों काम एक साथ होता है।

संक्षिप्त-खबर

कलेक्टर ने ली जिले के राइस मिलर्स की बैठक

जांजगीर चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राइस मिलर्स की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि धान उठाव, मिलिंग सहित अन्य प्रक्रिया को शासन के निर्देशानुसार सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी का कार्य अब अंतिम चरण पर है इस दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समस्त प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत पालन किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि धान उठाव से लेकर मिलिंग तक की पूरी प्रक्रिया शासन के दिशा निर्दशों के अनुरूप पालन कर करें। बैठक में कलेक्टर ने गाड़ियों की आवाजाही, लोडिंग, धान उठाव एवं मिलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि धान परिवहन में लगी प्रत्येक गाड़ी के आगे एवं पीछे नंबर प्लेट की फेटो अनिवार्य रूप से ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो सके। लोडिंग के संबंध में उन्होंने गाड़ियों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही लोडिंग सुनिश्चित करने कहा। साथ ही अनावश्यक या लंबे समय तक गाड़ियों को रोके जाने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम को कायाकल्प सत्र 2024-25 में प्रथम पुरस्कार

सारँगढ़। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने एक बार फिर उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और गुणवत्ता मानकों के पालन के दम पर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। कायाकल्प सत्र 2024ङ्क25 के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने जिले में 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम पुरस्कार हासिल किया। यह उपलब्धि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफ आर. निराला के निर्देशानुसार, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. एल. सिदार के मार्गदर्शन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार के सहयोग एवं संस्था प्रभारी ओमप्रकाश कुर्रे के कुशल नेतृत्व में संभव हो सकी।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व कायाकल्प सत्र 2020ङ्क21 में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम ने रायगढ़ जिले के 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की थी। गुणवत्ता सुधार के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का प्रमाणीकरण अप्रैल 2025 में प्राप्त हो चुका है।

भिलाई में बिरयानी को लेकर बवाल, मैनेजर व कर्मचारियों ने ग्राहकों को पीटा

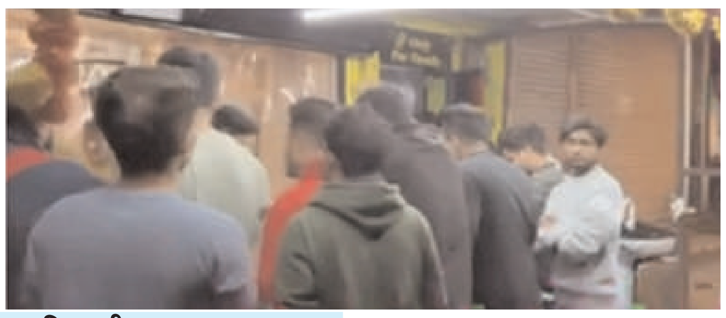

कम चिकन पीस पर सवाल करना पड़ा भारी, सुपेला थाना में मामला दर्ज

भिलाई। स्मृति नगर स्थित कूकर बिरयानी सेंटर में बिरयानी में चिकन पीस कम मिलने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक जा पहुंचा। आरोप है कि बिरयानी सेंटर के मैनेजर और उसके दो साथियों ने मिलकर खाना खाने आए युवकों के साथ गाली-गलौज कर बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर सुपेला थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राजेश ने पुलिस को बताया कि वह एयरटेल फाइबर में वाई-फाई इंस्टॉलेशन का कार्य करता है। 13 जनवरी की शाम करीब 4:15 बजे वह अपने दोस्तों राकेश साहू और हर्ष कपूर के साथ स्मृति नगर स्थित कूकर बिरयानी सेंटर में खाना खाने पहुंचा था। तीनों ने तीन हाफ बिरयानी का ऑर्डर दिया, लेकिन जब प्लेट परोसी गई तो उन्हें चिकन पीस कम मिले, जबकि पास बैठे अन्य ग्राहकों को ज्यादा पीस दिए जा रहे थे। इस पर जब उन्होंने मैनेजर से आपत्ति जताई तो आरोप है कि मैनेजर और उसके दो कर्मचारियों ने अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने शराब पीकर होटल आने का झूठा आरोप लगाते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद मैनेजर ने हाथ में रखे करछुल (चम्मच) से हमला किया, जबकि कर्मचारियों ने हाथ में पहने कड़े से मारपीट की।

विवाद देखते ही देखते हिंसक हो गया और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। बीच-बचाव करने आए दोस्त राकेश साहू का मोबाइल फोन भी झूमाझटकी में गिरकर टूट गया। मारपीट में पीड़ित राजेश को सिर, दोनों पसलियों और दोनों अंगूठों में चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ितों ने सुपेला थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मैनेजर सहित दो कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

एक्स-रे ही नहीं अब 1 रूपये में डायलिसिस सेवा की भी विधायक रिकेश ने की घोषणा

वैशाली नगर विधानसभा में हर्ष की लहर, ब्लड सैंपल से 31 तरह के फ्री टेस्ट, एक्स-रे और डायलिसिस मात्र 1 रूपये में

भिलाई नगर। मकर संक्रांति के दिन मात्र 1 रूपये में एक्स-रे सेवा का 15 फरवरी से शुभारंभ होने की घोषणा विधायक रिकेश सेन ने की है। इससे वैशाली नगर विधानसभा के रहवासियों को एक और बड़ी सौगात मिलेगी। 15 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन से मात्र 1 रूपये में डायलिसिस सुविधा का लाभ जरूरतमंद ले सकेंगे। प्रारंभिक तौर पर विधायक श्री सेन के कार्यालय से हर दिन अधिकतम 5 लोग डायलिसिस के लिए संपर्क कर सकेंगे।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जब गुर्दे (किडनी) शरीर से विषाक्त पदार्थों, अतिरिक्त तरल पदार्थ और अपशिष्ट को ठीक से फ़िल्टर नहीं कर पाते, जिससे ये रक्त में जमा होने लगते हैं और जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। डायलिसिस एक कृत्रिम प्रक्रिया है जो गुर्दों का काम करती है, खासकर गंभीर किडनी फेलियर में डायलिसिस जीवन बचाने वाला, एक अस्थायी या स्थायी उपाय है जब तक प्रत्यारोपण नहीं हो जाता।

आपको बता दें कि डायलिसिस खर्च निजी अस्पताल में 3 से 4 हजार रूपये प्रति सत्र और मासिक 12 से 20 हजार रूपये तक होता है। कई निर्धन और मध्यम वर्गीय परिवार के लिए डायलिसिस का खर्च सचमुच पहाड़ जैसा ही है, परिवार के लिए पीड़ित सदस्य का यह उपचार जितना अहम् है उतना ही आर्थिक रूप से उन्हें कमजोर भी करता है। इसलिए वैशाली नगर विधानसभा के लिए मात्र 1 रूपये में डायलिसिस सेवा का शुरू करने विधायक रिकेश सेन ने पहल की है।

श्री सेन ने बताया कि लगभग 2 लाख से अधिक आबादी वाली वैशाली नगर विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार उनका प्रयास जारी है ताकि लोगों के स्वस्थ्य जीवन के लिए आवश्यक जागरूकता के साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं सरल ढंग से सहजतापूर्वक पहुंच सकें। फ्री ब्लड टेस्ट, एक रूपये में एक्स-रे की सेवा इस विधानसभा में जारी है। 15 फरवरी से 1 रूपये में डायलिसिस की सेवा भी शुरू हो जायेगी ताकि जरूरतमंद परिवार को आर्थिक अभाव में उपचार से वंचित न होना पड़े।

विधायक कार्यालय जीरो रोड शांति नगर में सम्पर्क कर जरूरतमंद 1 रूपये में डायलिसिस सेवा का लाभ ले सकेंगे। विधायक ने बताया कि फिलहाल एक दिन में 5 लोगों को डायलिसिस के लिए सूचीबद्ध किया जायेगा। निजी अस्पताल से अनुबंध के आधार पर हर दिन 5 डायलिसिस के लिए कार्यालय जरूरतमंद को सेवाएं प्रदान करेगा।

डायलिसिस किडनी फेल होने पर शरीर से गंदगी और अतिरिक्त तरल पदार्थ निकालने की प्रक्रिया है, जो मुख्य रूप से दो तरीकों से होती है। हीमोडायलिसिस (मशीन द्वारा खून साफ करना) और पेरिटोनियल डायलिसिस (पेट की झिल्ली का उपयोग करके)। हीमोडायलिसिस में, मशीन खून को बाहर निकालकर डायलाइज़र (कृत्रिम किडनी) से फिल्टर कर वापस शरीर में भेजती है, जो हफ्ते में 2-3 बार, 3 से 5 घंटे तक चलता है। वहीं पेरिटोनियल डायलिसिस पेट में घोल डाल कर किया जाता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक रूपये में डायलिसिस सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए जीवन की डोर है। आर्थिक तंगी के कारण इलाज टालने वाले मरीजों के लिए यह सेवा उम्मीद बन कर सामने आई है और आने वाले समय में इसे एक मॉडल हेल्थ इनिशिएटिव के रूप में देखा जा रहा है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवाकर 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छग)-490023 से प्रकाशित। संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।